Sanskritaseva Avashyaka Nivedana Angreji Ke Vidvanom Se

संस्कृतसेवा आवश्यक निवेदन अंग्रेजी के विद्वानों से

Document Information

Text title : Sanskritaseva Avashyaka Nivedana A.ngreji Ke Vidvanom Se

File name : sanskRRitasevAAvashyakanivedanaangrejIkevidvAnoMse.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc_z_misc_general

Author : Vasudev Dwivedi Shastri

Proofread by : Mandar Mali

Description/comments : Sanskrita Prachara Pustaka Mala Sangraha 37

Acknowledge-Permission: Uttara Pradesha Sarvabhauma Sanskrit Prachar Karyalaya

Latest update : May 19, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

May 19, 2024

sanskritdocuments.org

संस्कृतसेवा आवश्यक निवेदन अंग्रेजी के विद्वानों से

अंग्रेजी भाषा के विश्रुत माननीय विद्वान ?
भारत की शिक्षा-उन्नति के आशा-केन्द्र महान ?
आज आप भी दें संस्कृत की सेवा में सहयोग,
इसकी रक्षा और वृद्धि के लिए करे उद्योग । १
संस्कृत के उत्त्थान-पतन की चिन्ता से निर्मुक्त-
रहना होगा विद्वानों के लिए नहीं अब युक्त ।
केवल अंग्रेजी-भाषा को ही सर्वस्व न मानें
अपनी भी साहित्य-सम्पदा को कृपया पहचानें । २
मत समझें इसकी चर्चा में लाघव की आशङ्का,
इसके पढ़ने-लिखने में भी नहीं हानि की शङ्का,
इसकी चर्चा को भी अब से अपना विषय बनावें,
इसकी उन्नति-हित भी थोड़ा अपना समय लगावें । ३
स्वयं आप भी करें यथावत् आजत इसका ज्ञान,
निज पुत्रों की शिक्षा में भी दें कुछ इसको स्थान ।
विद्यालय में भी अब इसका करें उचित सत्कार,
बातचीत में भी हो थोड़ा इसका भी व्यवहार । ४
संस्कृत के विद्वान करेंगे संस्कृत का सब काम-
ऐसा सोच न होगा इससे लेना उचित विराम ।
स्वयं आपके ऊपर भी है ऋषियों का ऋण-भार
संस्कृत के द्वारा ही होता जिससे है उद्धार । ५
शेक्सपियर शैली मिल्टन की रचनाओं के स्वाद-
आप खूब लें, इसमें हमको कोई नहीं विवाद ।
पर संस्कृत की रचनाओं का बिलकुल ही अज्ञान,
नहीं आपको शोभा देता, यह भी सत्य महान । ६

– रचयिता - श्री. वासुदेव द्विवेदी शास्त्री

Proofread by Mandar Mali

Sanskritaseva Avashyaka Nivedana Angreji Ke Vidvanom Se
pdf was typeset on May 19, 2024

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*